मांग से ज्यादा चीनी उत्पादन

वर्ष 2014-15 में देश का चीनी उत्पादन 3-5 फीसदी बढ़ेगा

बीएस संवाददाता
मुंबई, 17 सितंबर

गन्ने के रकबे में 1 फीसदी गिरावट के बावजूद अच्छी रिकवरी के लिए अनुकूल मौसम होने से आगामी पेराई सीजन (अक्टूबर 2014 से सितंबर 2015) के दौरान देश में चीनी का उत्पादन 3-5 फीसदी बढ़ने के आसार हैं। इस क्षेत्र की शीर्ष संस्था भारतीय चीनी मिल संघ (इस्मा) के आंकड़ों से पता चलता है कि देश में अगले वर्ष 250-255 लाख टन चीनी उत्पादन का अनुमान है, जबकि पिछले साल उत्पादन 243 लाख टन रहा था। पेराई सीजन 2014-15 के दौरान अनुमानित उत्पादन अनुमानित सालाना खपत 240 लाख टन से 10-15 लाख टन ज्यादा है।

चालू सीजन में 75 लाख टन के बचे हुए स्टॉक और अगले सीजन में सरप्लस उत्पादन से अति आपूर्ति की स्थिति पैदा होगी, जिससे अगले साल कीमतों में नरमी का रुझान रहेगा। इस्मा ने एक बयान में कहा, 'चीनी सीजन 2014-15 में उत्पादन का पहला अग्रिम अनुमान 250-255 लाख टन रखा गया है।' चीनी मिलों ने वर्ष 2013-14 के दौरान 21.1 लाख टन चीनी निर्यात किया था, जिसमें 55 फीसदी कच्ची चीनी और शेष रिफाइंड या सफेद चीनी शामिल थी। मिलों ने निर्यात प्रोत्साहन योजना के तहत करीब 7 लाख टन चीनी निर्यात के ऑर्डर पूरे किए। चालू सीजन के अंत में देश की चीनी मिलों के पास करीब 25 लाख टन का निर्यात योग्य सरप्लस होगा। इस्मा का आकलन उपग्रह तस्वीरों पर आधारित है। इस्मा ने गन्ने का कुल रकबा 52.94 लाख हेक्टेयर होने का अनुमान जताया है, जो पिछले साल की तुलना में एक फीसदी कम है। महाराष्ट्र में गन्ने का रकबा 11 फीसदी बढ़कर करीब 10.41 लाख हेक्टेयर हो गया है। इस आधार पर अगले साल राज्य में चीनी का उत्पादन 20 फीसदी बढ़कर 93 लाख टन होने का अनुमान है, जो चालू सीजन में 77.1 लाख टन था।

इसके विपरीत उत्तर प्रदेश में पेराई सीजन 2014-15 के दौरान चीनी का उत्पादन 8 फीसदी घटकर 60 लाख टन रहने का अनुमान जताया गया है। इस्मा ने चीनी सीजन 2014-15 में कच्ची चीनी के लिए निर्यात प्रोत्साहन योजना जारी रहने की मांग दोहराई है। इस्मा ने कहा है कि सरप्लस चीनी से बचने के लिए गन्ने के रस को एथेनॉल में बदलने जैसे विकल्प ढूंढे जाने चाहिए। इसके लिए सरकार को प्रोत्साहन एवं सब्सिडी मुहैया करानी चाहिए। एक अरब लीटर अतिरिक्त एथेनॉल की खरीद से बाजार में करीब 17 लाख टन चीनी कम हो सकती है। इससे उद्योग में नकदी की आवक बेहतर होगी और मिलें अगले चीनी सीजन में किसानों को समय से गन्ने का भुगतान कर पाएंगी।

पेराई सीजन 2014-15 के दौरान चीनी का अनुमानित उत्पादन इसकी सालाना खपत 240 लाख टन से 10-15 लाख टन ज्यादा रहेगा

Business Standard
18/9/14